वार्तालाप-589, मुम्बई, दिनांक 22.06.08
Disc.CD No.589, dated 22.06.08 at Mumbai
Extracts-Part-1

समयः 01.54-03.30

जिज्ञासुः शंकरजी को शेर की खाल पर बिठाते हैं।

बाबाः शंकरजी शेर की खाल पर बिठाते हैं। हाँ। वो शंकरजी को बिठाते हैं या शिवबाबा को बिठाते हैं? भूल गये। तुमने शंकर को शिवबाबा समझा था या शंकर समझा था?

जिज्ञासुः भक्तिमार्ग में।

बाबाः भक्तिमार्ग में हो अभी? (जिज्ञासु - नहीं) पहले थे। अभी तो नहीं हो? तो शेर कौनसा है? और बैठा कौन है? (जिज्ञासु- शंकर बैठा हुआ है) वो शंकर है या शिवबाबा है? (जिज्ञासु- शिवबाबा है) शिवबाबा है। अब समझ में आ गया। और शेर कौन है? अरे त्रिमूर्ति में भी तो शेर दिखाते हैं। लेकिन बाबा ने बोला - त्रिमूर्ति में शेर नही हैं तीनों। एक घोड़ा है, एक बकरी भी है। अब कुछ पूछने को रह गया क्या? नहीं रह गया। माना त्रिमूर्ति में बकरी के ऊपर शिवबाबा सवार होते हैं कि नहीं? नहीं होते। और घोड़े के ऊपर? घोड़े के ऊपर भी शिवबाबा सवार नहीं होते बाबा के रूप में। अम्मा के रूप में सवार होते हैं।

Time: 01.54-03.30
Student: Shankar *ji* is made to seat on a tiger's skin.
Baba: Shankar *ji* is made to seat on a tiger's skin. Yes. Do they make Shankar *ji* or Shivbaba sit on it? You forgot. Did you consider Shankar to be Shivbaba or Shankar?
Student: In the path of *bhakti*.
Baba: Are you in the path of *bhakti* now? (Student: No.) You were earlier [in the path of *bhakti*]. Now you are not, are you? So, who is the tiger and who is sitting [on it]? (Student: Shankar is sitting.) Is he Shankar or Shivbaba? (Student: He is Shivbaba.) He is Shivbaba; now you have understood. And who is the tiger? *Arey*, tiger is shown in the Trimurti as well. But Baba has said, all the three are not tigers in the Trimurti. There is a horse, there is a goat as well. Is there anything left to ask now? There isn't. It means that in the Trimurty, does Shivbaba ride on the goat or not? He does not. And what about the horse? Shivbaba does not ride on the horse either through the form of Baba (i.e. father). He rides it in the form of a mother.

समयः 03.40-04.20

जिज्ञासुः उल्टी चाढ़ी चढ़ने का मतलब क्या है?

बाबाः उल्टी चाढ़ी चढ़ने का मतलब ये है कि कलियुग की, पहले आयरन एज की सीढ़ी चढ़ेंगे या पहले ही पहले सतोप्रधान स्टेज में पहुँच जावेंगे, सतयुगी दुनिया में पहुँच जावेंगे? चढ़ना धीरे-धीरे होगा या एकदम ऊँची स्टेज में पहुँच जावेंगे? (जिज्ञासु-धीरे-धीरे) धीरे-धीरे होगा। ये उल्टी चाढ़ी हो गई। उतरते भी धीरे-धीरे हैं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 03.40-04.20
Student: What is meant by climbing the ladder in an opposite direction (*ulti chaadhi*)?
Baba: Climbing the ladder in an opposite direction means that will you climb the ladder of the *Iron Age* first or will you reach the *satopradhan stage* in the beginning itself, will you reach the Golden Age world? Will the climbing be gradual or will you reach the high *stage* at once? (Student: Slowly.) It will happen gradually. This is climbing in the opposite direction. The descent is also gradual.

समयः 04.21-07.20
जिज्ञासुः बाबा आज से कितने साल पहले भारत में राजाई थी कलियुग के अंत में भी।
बाबाः कलियुग अंत में? (जिज्ञासु: हां।) नेपाल भी भारत ही था पहले। अभी माओवादियों का राज्य हो गया। प्रजातंत्र राज्य हो गया। तब तक नेपाल में राजा का ही राज्य था प्रजातंत्र राज्य नहीं था। माना पहले-पहले नई दुनिया वालों, नई दुनिया की पालना करने वालों का ही राज्य होता है। सारी दुनिया में। और सबसे बाद का राज्य भी किनके हाथों में होता है? नेपालियों के ही हाथ में होता है। और सब देशों में राजाई खलास हो जाती है। एक और भी है ईषाण कोण में। क्या? वो कौनसा है? नेपाल के अलावा एक और भी ईषाण कोण में है। सुना? याद आया? कौनसा देश है? ईषाण कोण में कौनसे देवता को दिखाया है? शंकर को दिखाया है जिसके लिए मुरली में बोला है बहुत तंग करेंगे तो विनाश कराय दूंगा। उस देश का नाम दिया है भ्रू टान। भ्रू माने भृकुटि। और तान माने? गुस्से में आके क्या करते हैं? भृकुटि तान देते हैं। उसका राज्य अभी भी चल रहा है। भूटान में राजा का राज्य चल रहा है या प्रजातंत्र है? अभी भी राजा का राज्य चल रहा है। प्रजा के ऊपर प्रजा का राज्य है बेकायदे राज्य। लेकिन राजा का राज्य है कायदे अनुसार राज्य। अभी भी दुनिया में कायदे का राज्य जो भगवान ने स्थापन किया था वो पूरा खतम नहीं हुआ है। भले दुनिया के हर देश में राजाई खतम होके क्या स्थापन हो गया? प्रजातंत्र राज्य स्थापन हो गया। प्रजा के ऊपर प्रजा का राज्य। बेकायदे राज्य स्थापन हो गया।

Time: 04.21-07.20
Student: Baba, how many years ago there was kingship in India even in the end of the Iron Age.
Baba: In the end of the Iron Age? (Student: yes.) Nepal was also a part of India earlier. Now there is a rule of Maoists [in Nepal]. There is democratic rule. Till then (before the rule of Maoists), there was only the rule of King in Nepal. There was not a democratic rule. It means, initially, there is the rule of only those who belong to the new world or sustain the new world in the entire world. And in whose hands is the very last kingdom as well? It is in the hands of the Nepali (residents of Nepal) only. Kingship ends in all the other countries. There is one more [country] in the North-East direction (*iishaan kon*). What? Which one is it? There is one more [country] in the North-East direction apart from Nepal. Have you heard about it? Did you remember? Which country is it? Which deity has been shown in the North-East direction? Shankar has been shown, for whom it has been said in the murli : if you trouble a lot, I will cause destruction. That country has been named *Bhru taan* (Bhutan).

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Bhru means *bhrikuti* (eyebrows). And what is meant by *taan*? (Baba is showing by skewing the eyebrows.) What does he do when he gets angry? He skews his eyebrows. His rule is continuing till date. Is there the rule of king in Bhutan or is there democracy? King's rule continues even now. The rule of subjects over the subjects is an unlawful rule. But king's rule is a lawful rule. Even now the rule that God established in the world as per the law has not ended completely although, what has been established after the end of kingship in every country in the world? Democratic rule has been established. Rule of the subjects over subjects, an unlawful rule has been established.

समयः 13.16-15.43

जिज्ञासुः सतयुग में प्रकृति सतोप्रधान होती है । तो वो ही सब कुछ बनाती है ना। हमें बनाने की क्या दरकार?

बाबाः कौन?

जिज्ञासुः प्रकृति सतोप्रधान होती है।

बाबाः हाँ। प्रकृति जो है वो प्रकृति सतयुग में बनाएगी या संगमयुग में पहले बनाएगी आपकी प्रकृति? आपकी प्रकृति चैतन्य है या आपकी प्रकृति जड़ है? आपकी चैतन्य प्रकृति जो नई दुनिया बनाएगी वो सतयुग में बनाएगी या संगमयुग में बनाएगी? आपकी चैतन्य प्रकृति जब सतोप्रधान बनेगी तो संगमयुग में नई दुनिया का महल माडियाँ तैयार करेगी। हमारी प्रकृति अभी खराब है। भाव स्वभाव संस्कार खराब हैं। तो खराब भाव स्वभाव संस्कार होने के कारण जो हम संगठन बनाना चाहते हैं - आओ-आओ गीता पाठशाला में रोज आओ। आता कोई नहीं। फिर शिकायत करते हैं - गीतापाठशाला में कोई आते ही नहीं। जब बाबा आते हैं संगठन कराने के लिए तो उस महासंगठन में उन लोगों को बुलाएं या न बुलाएं जो गीतापाठशाला में आते ही नहीं? (किसी ने कहा - नहीं बुलाये।) नहीं बुलायें? अरे? वो नहीं आते हैं तो गल्ती किसकी है? गीतापाठशाला वालों की गल्ती है या ना आने वालों की गल्ती है? (जिज्ञासु - ना आने वालों की) अरे, संगठन का किला तब ही बनेगा जब हमारा भाव, स्वभाव, संगठन बनाने योग्य होगा। जनता पार्टी में कमी कौनसी बताय दी? एक दूसरे से बात ही नहीं करेंगे। बुलायेंगे। क्लास करने के लिए आओ। नाक रगड़ो। किसी को क्या पड़ी है नाक रगड़ने की? यहाँ तो हर बात में सहनशीलता चाहिए। जो फलदार वृक्ष होता है वो झुका हुआ रहता है या सर ऊँचा करके रहता है? (जिज्ञासु - झुका) झुका हुआ होता है। संगठन अपने आप बनेगा।

Time: 13.16-15.43

Student: Nature (*prakriti*) is *satopradhan* in the Golden Age. So, it prepares everything, doesn't it? Where is the need for us to prepare?

Baba: Who?

Student: Nature is *satopradhan*.

Baba: Yes. Will the nature prepare in the Golden Age or will your nature (*prakriti*) prepare first in the Confluence Age? Is your nature living or inert? Your living nature which will establish the new world, will it establish in the Golden Age or in the Confluence Age? When your living nature becomes *satopradhan*, it will prepare palaces of the new world in the

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Confluence Age. Now our nature is bad, the nature and *sanskars* are bad. So, because of having bad nature and *sanskars*, we wish to prepare a gathering [and call others:] 'Come, come; come to the *Gitapathshala* every day.' [But] nobody comes. Then you complain, nobody comes to the *Gitapathshala* at all. When Baba comes to organize gathering, should we call the people who do not come to the *Gitapathshala* at all for the great gathering (*mahaa sangathan*) or not? (Student: we should not call.) Should we not call? *Arey*! If they do not come [to the *Gitapathshala*], whose mistake is it? Is it the mistake of those who run the *Gitapathshala* or is it the mistake of those who do not come? (Student: of those who do not come.) *Arey*, the fort of gathering (*sangathan*) will be formed only when our nature will be worth preparing the *sangathan*. What is the shortcoming reported in the Janata Party (a political party in India)? They do not talk to each other at all. They will call, come to attend the *class*. Come and rub your nose. Where is the necessity for anyone to rub their nose? Here, tolerance is required in everything. Does a tree laden with fruits bend downwards or does it stand upright? (Student: It is bent.) It is bent. The gathering will be formed automatically.

Extracts-Part-2

समयः 17.16-20.08

जिज्ञासुः बाबा, माउंट आबू में एक जगह लेने को बोल रहे हैं। माताओं की इच्छा है जगह लेने की।

बाबाः माउंट आबू में?

जिज्ञासुः जगह लेने के लिए।

बाबाः जगह लेना है? बहुत पैसे हैं आपके पास क्या? (जिज्ञासुः नहीं, नहीं, हमको एडवाइस...) ये तो उनके लिए बताया जिनके पास बहुत पैसे हैं, सोचते हैं की बैंकें फेल हो जाएंगी। इन्श्योरेन्स कम्पनियाँ भी? बाबा ने बताया फेल हो जाएंगी। न देने वाले रहेंगे और न लेने वाले रहेंगे। कम्पनियाँ सब फेल होने वाली हैं। आज भी फेल हो रही हैं। बाबा खुद चप्पे में फंसे हुए हैं, कम्पनी फेल होने से। ☺ तो कहाँ डालें? तो जिनके पास अखुट धन है, बाल बच्चों के पोषण से, अपने खाने-पीने से अलावा, पड़ा रहने वाला वो माउंट आबू में लगा दें। जब तक दुनिया खलास होगी, तब तक वो बढ़ता रहेगा, घटेगा नहीं। इच्छा हो तब बाबा के काम में लगाना। नहीं इच्छा हो तो उसको खुद यूज़ करना। हाँ, तो क्या कह रहे?

जिज्ञासुः बाबा, तो फिर माताओं को....कोई-कोई माताएं ऐसे बोल रहे हैं, समझ रहे हैं कि शायद बाबा... कोई-कोई माताओं की ताकत नहीं है ना एकदम पच्चीस हज़ार भरने की तो...

बाबाः अरे तो किसने कहा? अपने बाल बच्चों का पोषण करो। खुद खाना-पीना करो। ये तो उनके लिए है जिनके पास अकूत धन है।

जिज्ञासुः नहीं बाबा कोई-कोई माता...

बाबाः फालतू पड़ा हुआ है इधर-उधर। चिंता होती है ये कहाँ लगाएं।

जिज्ञासुः नहीं-नहीं बाबा। कोई-कोई माता ऐसे पूछ रही है - हम समझो ग्रुप्स में पांच-पांच हज़ार लगाएं, अढाई-अढाई हज़ार लगाएं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः जिनके पास पांच ही हज़ार हैं और बच्चे भी हैं पालने के लिए, उन्हें ये सब धंधा करने की दरकार है?

जिज्ञासुः ग्रुप में ले सकते हैं क्या?

बाबाः बाबा ने कभी चन्दा करने के लिए भक्तिमार्ग में बताया या चन्दा करना ज्ञान मार्ग की बात बताई? चन्दा तो भीख मांगना होता है।

दूसरा जिज्ञासुः चार-पांच माताओं का ग्रुप बनाके ले सकते हैं क्या?

बाबाः वो अपना जैसे लेना चाहें वैसा लें। कोई मना थोड़ेही है। झगड़ा न हो बाद में। तू-तू और मैं-मैं नहीं आना चाहिए बाबा के पास।

Time: 17.16-20.08

Student: Baba, [mothers] are asking to buy land in Mount Abu. Mothers wish to buy land.

Baba: In Mount Abu?

Student: To buy land.

Baba: Do you wish to buy land? Do you have a lot of money? (Student: No, no; we want *advice*...) This has been said for those who have a lot of money and think that the banks will *fail*. And the *insurance* companies also…? Baba has said that [they] will *fail*. Neither the ones who give [money] nor will the ones who take [money] will remain. All the companies are going to *fail*. They are failing even today. Baba himself is at a loss due to *company* failure. ☺ So, where should we invest it? So, those who have immeasurable wealth, those who have surplus money other than that used for the sustenance of the children, for food, can invest it in Mount Abu. Until the world ends, it will continue to increase, it will not decrease in value. If you wish, use it in Baba's task. If you do not wish then *use* it for yourself. Yes, so, what were you saying?

Student: Baba, so then the mothers.... some mothers are saying, are thinking that perhaps Baba... Some mothers do not have the capacity to invest twenty five thousand at a time. So...

Baba: *Arey*, so, who asked you [to invest]? First, sustain your children, feed and quench yourself. This is for those who have immeasurable wealth.

Student: No Baba, some mothers...

Baba: [It is for those whose] wealth is lying here and there without any use and worries you: where should we invest it.

Student: No, no Baba. Some mothers are asking, suppose we invest five thousand (rupees) each, two thousand five hundred [rupees] each in groups...

Baba: Those who have only five thousand rupees and they also have children to take care of, is there any need for them to do all this?

Student: Can we collect it in groups?

Baba: Has Baba said that collecting money is a practice of the path of *bhakti* or has He said it to be a practice of the path of knowledge? Collecting money is like begging.

Second student: Can we buy the land by forming groups of four-five mothers [and collecting money from them]?

Baba: You can buy as you wish; you are not prohibited, but there should not be any fight later on. Reports of quarrels should not reach Baba.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 20.10-21.49

जिज्ञासुः सुख और आनन्द में अंतर क्या है?

बाबाः सुख और? (जिज्ञासु - आनन्द) भगवान को कहा जाता है सुखदाता, आनन्ददाता। ये टाइटिल सुख का सागर, आनन्द का सागर, ये टाइटिल कोई मनुष्यमात्र को दिया जा सकता है या नहीं? आनन्द का सागर, सुख का सागर, ये टाइटिल मनुष्य का है या भगवान का है? (जिज्ञासु - भगवान का है।) भगवान का ये टाइटिल है और भगवान प्रैक्टिकल में आता है या सिर्फ हवा में बोलने की बात है - सुख का सागर, शान्ति का सागर, आनन्द का सागर? बात समझ में आई? अरे बोलो, बोलो। (जिज्ञासु ने कुछ कहा) गुणों का सागर। शिवबाबा के तो कितने 32 गुण दिखाय दिये हैं भक्तिमार्ग में। बेसिक वालों ने कितने गुण दिखाय दिये? 32 गुण। लेकिन वो निराकार के दिखाये, वो निराकार का समझते हैं या साकार के हैं? उन्होंने तो निराकार के समझ लिए।

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, दोनों में अन्तर पूछ रहे हैं।

बाबाः क्या?

जिज्ञासुः सुख और आनन्द में क्या अन्तर है?

बाबाः एक ही बात तो है।

Time: 20.10-21.49

Student: What is the difference between *sukh* and *aanand*?

Baba: *Sukh* and? (Student: *Aanand.*) God is said to be *Sukhdaata* (giver of happiness), *aanand-daata* (giver of joy). Can the titles 'Ocean of happiness, Ocean of joy' be given to any human being or not? Are the titles 'Ocean of joy, Ocean of happiness' of human beings or God? (Student: Of God.) These are the titles of God and does God come in *practical* or is it just an empty praise that [He is] the Ocean of happiness, Ocean of peace, Ocean of joy? Did you understand the topic? *Arey*, speak up, speak up. (Student said something.) Ocean of virtues. Shivbaba has been shown to have 32 virtues in the path of *bhakti*. How many virtues have those who follow the basic knowledge shown? 32 virtues. But have they shown it to be for the incorporeal One, do they consider it for the incorporeal One or for the corporeal one? They have considered it for the incorporeal One.

Second student: Baba, he is asking about the difference between the two.

Baba: What?

Student: What is the difference between *sukh* and *aanand*?

Baba: They are one and the same.

समयः 22.00-25.00

जिज्ञासुः बाबा, आपने वाणी में कहा था, पवित्रता अपवित्रता को खींचती है। हमने सुना है कि पवित्रता अपवित्रता के सामने झुकती है।

बाबाः पवित्रता अपवित्रता के सामने झुकती है?

जिज्ञासुः अपवित्रता पवित्रता के सामने झुकती है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः जब खींच लिया... आप वहाँ बैठे हैं। आपसे हमारी लड़ाई है। क्या? भक्त की और ज्ञानी की लड़ाई है। है कि नहीं? (जिज्ञासु - हा है) और भक्त को भगवान ने खींच लिया। तो झुकना हुआ या नहीं हुआ?

जिज्ञासुः यानी भक्त अपवित्र हो गए।

बाबाः अरे अपवित्रता है तो क्या पवित्र होते हैं? उन्हें पवित्रता का रास्ता मालूम है? भक्त पतित होते हैं या पावन होते हैं? माथा झुकाना माना? पतित हैं तब तो माथा झुकाते हैं। बड़े-बड़े राजाएं माथा झुकाते हैं कि नहीं? (जिज्ञासु - झुकाते हैं) झुकाते हैं। किसके सामने? (जिज्ञासु - प्योरिटी के सामने) उन्हें कहाँ भगवान मिल जाता है जो उसके सामने माथा झुकाय लेते हैं? अरे कोई राजा हिस्ट्री में ऐसा हुआ है जिसको भगवान मिल गया हो? उसके सामने माथा झुकाय दिया हो? किसके सामने माथा झुकाते हैं?

जिज्ञासुः अपने से जो ज्यादा पवित्र हैं उसके सामने।

बाबाः हाँ। गुरुओं के सामने, ब्राह्मणों के सामने माथा झुकाते हैं। राजगुरु बनाते हैं। एक-एक बात उस राजगुरु से पूछ-पूछ करके करते हैं। तो पवित्रता कभी झुकती नहीं। अपवित्रता को झुकना पड़ता है।

जिज्ञासुः खींचती है कहा था आपने?

बाबाः पवित्रता खींचती है। अभी भी इस ब्राह्मण परिवार में जो पवित्र आत्माएं बनती जावेंगी, अपवित्र आत्माओं को उनके सामने नाक रगडनी पड़ेगी। ऐसे नहीं कि भक्ति मार्ग के लिए मुरली में ये बात बोली हुई है। क्या? कि अपवित्र राजाएं पवित्र देवताओं के सामने माथा झुकाते हैं। वो बात सारी संगमयुग में टैली करना है। यहाँ भी ऐसा स्पष्ट देखने में आवेगा। और अभी भी ऐसा है। सरला को कहाँ का भांती बताया? (जिज्ञासु - अहमदाबादी) क्यों? ☺

Time: 22.00-25.00

Student: Baba, you said in the vani, purity attracts impurity. We have heard that purity bows before impurity.

Baba: Does purity bow before impurity?

Student: Impurity bows before purity.

Baba: When it has pulled... You are sitting there. I have a fight with you. What? There is a fight between the devotee and the knowledgeable one. Is there or not? (Student: Yes, there is.) And God pulled the devotee; so, is it bowing or not?

Student: It means devotees are impure.

Baba: *Arey*, if not impure, are they pure? Do they know the path to purity? Are the devotees impure or pure? What is meant by bowing the head? They are impure, only then do they bow their heads. Do big kings bow their heads or not? (Student: They bow.) They bow. In front of whom? (Student: In front of purity.) Where do they find God so that they bow before Him? *Arey*, has there been a king in the *history* who has found God or has bowed his head before Him? In front of whom do they bow their heads?

Student: They bow before someone who is purer than them.

Baba: Yes. They bow before the gurus, before the Brahmins. They make them *rajgurus* (royal gurus). They take every step after seeking opinion from that *rajguru*. So, purity never bows. Impurity has to bow.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: You said it pulls?
Baba: Purity pulls. Even now in this Brahmin family, the impure souls will have to rub their nose (shun contemptuously) in front of the souls who become purer day by day. It is not that this has been said in the murli for the path of *bhakti*. What? That the impure kings bow their heads before the pure deities. All those topics should be tallied with the Confluence Age. It will be clearly visible in this way here too and it is like this even now. Sarala has been mentioned to be a member of which place? (Student: of Ahmedabad.) Why? ☺

Extracts-Part-3

समयः 25.01-26.38

जिज्ञासुः बाबा, आज की मुरली में बात आई कि वहाँ तुम्हें नई-नई खानियाँ मिलेंगी। वो नई खानियाँ कौनसी हैं?

बाबाः स्थूल सोने की बात समझ ली, स्थूल हीरों की बात समझ ली या चैतन्य हीरे और सोने जैसी आत्माएं भी होती हैं सच्ची? (जिज्ञासु - चैतन्य) तो वो अच्छे बच्चे तुमको नहीं मिलेंगे? जैसे आज मिल रहे हैं वैसे ही मिलते रहेंगे या फर्स्टक्लास मिलेंगे? (जिज्ञासु - नई-नई) हाँ, खानियाँ मिलेंगी। संगठन के संगठन मिलेंगे। (जिज्ञासु ने कुछ कहा) वो ही खानियाँ हैं। पूरा संगठन बड़ा मिल जाए और सब सच्चे हों तो खानी है हमारे लिए या उसको क्या कहेंगे? हमें खान मिल गई। अभी तो बाबा बच्चों को ढूंढ रहे हैं। धन देने वाले मिल जाते हैं। तन देने वाले मिल जाते हैं। समर्पण होने वाले मिल जाते हैं। लेकिन सच्चे दिल के सच्चे बच्चे बाबा को नहीं मिल रहे हैं। कहते हैं सिर्फ, कागज़ पर लिख करके देते हैं, खून से भी लिख के देते हैं तन, मन, धन सब तेरा। जैसे चलायेंगे वैसे चलेंगे।

Time: 25.01-26.38
Student: Baba, it has been mentioned in today's murli that you will get new mines there. Which are those new mines?
Baba: Did you think of physical gold, physical diamonds or are there true souls in the form of living diamonds and gold as well? (Student: Living.) So, will you not get those nice children? Will you continue to get the same kind [of children] as you are getting today or will you get *first class* [children]? (Student: New ones.) Yes, you will get mines. You will get many gatherings. (Student said something.) They themselves are the mines. If you get a big gathering and if everyone is true [in that gathering], then is it a mine for us or what will you call it? We got the mine. Now Baba is searching for the children. He gets those who give wealth. He gets those who give body. He gets those who surrender, but Baba is not getting the true children with a true heart. They just speak; they just write on paper, they even write with blood that the body, mind and wealth everything belongs to you. We will act as you make us to act.

समयः 27.40-29.20

जिज्ञासुः बाबा, ब्राह्मणों को देवता नहीं कहेंगे। कहा है कि ब्राह्मण सो देवता नही कहा जाता है। वास्तव में ब्राह्मण तो देवताओं के पुजारी होते हैं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः सम्पूर्ण ब्राह्मण देवता की पूजा करेगा? अभी भी जो यहाँ अच्छे-अच्छे ज्ञानी तू आत्मा ब्राह्मण बच्चे हैं, जो जानते हैं कि देवताओं की दुनिया में कोई राक्षस नहीं होते और राक्षसों की दुनिया में कोई देवता नहीं होते। वो पूजा करेंगे?

जिज्ञासुः वो ब्राह्मणों का धंधा ही पूजा है ना।

बाबाः ☺ ☺ ☺ भक्ति मार्ग के ब्राह्मणों का धंधा है या ज्ञान मार्ग के ब्राह्मणों का धंधा है? कौनसे ब्राह्मणों का धंधा है? भक्तिमार्ग में होती है पूजा। और ज्ञान मार्ग में होती है याद।

जिज्ञासुः पर वहां ब्राह्मण जो हैं वो देवताओं की पूजा करते हैं। यहाँ के भक्तिमार्ग के ब्राह्मण जो हैं, देवताओं की पूजा करते हैं।

बाबाः हाँ, तो यहाँ हम किसको याद करें? ऊँच ते ऊँच कौन है?

जिज्ञासुः वास्तव में शिव के मन्दिर में तो ब्राह्मण होते ही नहीं ना बाबा।

बाबाः ब्राह्मण नहीं होते? ब्राह्मण भी होते हैं, सन्यासी भी होते हैं।

Time: 27.40-29.20
Student: Baba, Brahmins will not be called deities. It is said that it is not called Brahmin to deity. Actually, Brahmins are worshippers of deities.
Baba: Will a complete Brahmin worship a deity? Even now the good knowledgeable Brahmin children here know that there are no demons in the world of deities and there are no deities in the world of demons. Will they worship?
Student: The very occupation of the Brahmins is to worship.
Baba: ☺ ☺ ☺Is it the occupation of the Brahmins of the path of *bhakti* or of the Brahmins of the path of knowledge? It is an occupation of which Brahmins? There is worship in the path of *bhakti* and in the path of knowledge there is remembrance.
Student: But there (in the path of *bhakti*) the Brahmins worship deities. The Brahmins of the path of *bhakti* worship the deities.
Baba: Yes. So, whom should we remember here? Who is the highest on high?
Student: Baba, actually there are no Brahmins at all in the temple of Shiv, are there?
Baba: Are there no Brahmins [in the temples of Shiv]? There are Brahmins as well as *sanyasis* [in the temple of Shiv].

समयः 29.30-30.10

जिज्ञासुः बाबा, मन्दिर में कछुआ को भी बताते हैं पत्थर का।

बाबाः हाँ। वो क्या है? कछुए का अवतार लिया कि नहीं लिया भक्ति मार्ग में? तो कोई कछुए की तरह पार्ट बजाने वाली भी आत्मा होगी या नहीं होगी? कि लोगों को देखने में आवे कि जब चाहे तब इन्द्रियों को समेट के बैठी हुई दिखाई पड़े। लेकिन कछुआ हमेशा समेट के बैठेगा या जब कोई देखेगा सब भाग गए तो क्या करेगा? अपनी इन्द्रिया बाहर निकाल लेगा। तो भगवान ऐसे जानवरों में प्रवेश करता है या मनुष्यों में प्रवेश करता है?

Time: 29.30-30.10
Student: Baba, a tortoise made up of stone is also shown in the temple.
Baba: Yes. What is that? Did [God] incarnate as a tortoise in the path of *bhakti* or not? So, will there be a soul who plays the *part* like a tortoise who, whenever it wishes to, appears to

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

the people that it is sitting with its organs withdrawn or not? But will a tortoise always sit with its organs withdrawn or when it sees that everyone has run away, what will it do? It will take its organs out. So, does God enter such animals or does He enter in human beings?

समयः 30.15-32.45

जिज्ञासुः ब्रह्मा बाबा को दाढ़ी मूँछ दिखाते हैं, विकार की निशानी है। तो जितने भी पुरुष हैं उनको दाढ़ी मूँछ है वो सब विकारी हो गए ना। और जितने भी स्त्री चोला है उनको दाढ़ी-मूँछ नहीं है वो तो निर्विकारी हो गए।

बाबाः तुम्हें पता नही सब दुर्योधन-दुःशासन पुरुष होते हैं कि स्त्रीयाँ होती हैं? अभी तुम्हारी बुद्धि में बैठा नहीं? स्वीकार नहीं कर रहे? आत्मा स्वीकार नहीं कर रही है हम दुर्योधन-दुःशासन हैं। ☺

दूसरा जिज्ञासुः मूँछ निकाल दिया है ना।

बाबाः किसने?

दूसरा जिज्ञासुः भाई ने।

बाबाः अच्छा। और जैन मुनि जो होते हैं वो भी ऐसे ही करते हैं। क्या? जैन मुनि क्या करते हैं? अपनी दाढ़ी मूँछ के सारे बाल या जहाँ कहीं भी बाल होंगे वो सारे बालों को एक-एक करके नोच-नोच के उखाड़ देते हैं। तो उससे क्या निर्विकारी बन जाते हैं? बाल उडा देने से निर्विकारी बन जाएंगे क्या? अरे कुछ थोड़ी तो मूँछ रखो कम से कम देखो। ☺ कहीं दूसरे को गलतफहमी न हो जाए। ☺

तीसरा जिज्ञासुः बाबा तिरुपति में भी तो बाल उड़ा देते हैं।

बाबाः हाँ। वो तिरुपति नाम किसका पड़ा है? (जिज्ञासु - बाबा का) वो वेंकटेश स्वामी कौन है? बाबा की ही यादगार है ना। तो शंकर सबका माथा मूढ़ लेता है कि नहीं मूढ़ लेता है? जो मन्दिर में आवेगा तो माथा मूढ़ करके जावेगा। तन मन धन सब तेरा। तो माथा मूढ़ गया कि नहीं मूढ़ गया? होशियार रहना। चक्करी में नहीं आ जाना।

Time: 30.15-32.45

Student: Brahma Baba is shown to have beard and moustache which are the signs of vices. So, all the men who have beard and moustache are vicious, aren't they? And all the female bodies, who do not have beard and moustache are vice less.

Baba: Don't you know that are all the men Duryodhans and Dushasans or are the women Duryodhans and Dushasans? Has it not sat in your intellect yet? Don't you accept it? Your soul is not accepting that we are Duryodhans and Dushasans. ☺

Second student: He has removed the moustache, hasn't he?

Baba: Who?

Second student: The brother (first student).

Baba: OK. And the Jain monks also do like this. What? What do the Jain monks do? They pluck out all the hairs of their beard, moustache or wherever they are present [on the body] one by one. So, do they become vice less by doing that? Will they become vice less by plucking out the hairs? *Arey*, keep at least some moustache ☺, so that others don't misunderstand ☺.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Third student: Baba, all the hairs are shaved off in Tirupati as well.
Baba: Yes. Who has been named as Tirupati? (Student: Baba.) Who is that Venkatesh Swami? It is a memorial of Baba himself, isn't it? So, does Shankar shaves off everybody's head or not? Whoever goes to the temple, he will shave off his head and go. Everything including the body, mind, wealth is yours. So, was the head shaved off or not? Be careful! Do not get entangled.

Extracts-Part-4

समयः 35.00-36.23

जिज्ञासुः राधा कृष्ण जुडवा बच्चे हैं ना। तो कृष्ण पेहले जन्म लेता है उसके बाद राधा, थोड़े समय बाद जनम लेती है क्या?

बाबाः थोड़े टाइम काहे के लिए? माना विधवा बनेंगे क्या (जिज्ञासु - नहीं) वहाँ विधुर बनता है? (जिज्ञासु - नहीं, वो ही पूछ रही थी) जब कोई पहले मर जाएगा तो दुःख होगा कि नहीं होगा? (जिज्ञासु - नहीं, जन्म की बात है) हाँ, अगर पहले मर जाएगा कोई, पहले मर जाएगा (तो) पहले जन्म लेगा। दस, पांच दिन बाद में मरेगा तो जो साथी है उसको दुःख होगा या नहीं होगा? विधवा या विधुर बनेगा कि नहीं बनेगा? सतयुग में विधवा, विधुर बनते हैं क्या? नहीं। (जिज्ञासु - एक साथ ही जनम लेंगे) साथ ही साथ जन्म और साथ ही साथ मृत्यु। वहाँ दुःख का नाम निशान होता ही नहीं।

जिज्ञासुः एक दो मिनट का भी अलग नहीं होता? एक दो मिनट का भी आगे पीछे नहीं, एक साथ ही एक ही टाइम पर होगा?

बाबाः थोड़ा तो अन्तर होगा क्योंकि बच्ची पहले पैदा होगी या बाद में पैदा होगी? (जिज्ञासु - बाद मे) बच्ची बाद में पैदा होगी। तो एक सेकण्ड का अंतर होना चाहिए कि नहीं होना चाहिए? एक सेकण्ड का तो अंतर होना चाहिए।

Time: 35.00-36.23
Student: Radha and Krishna are twins, aren't they? So, is Krishna is born first and a little time after that Radha is born?
Baba: Why after a little time? Does it mean that they (the females) will become widows there? (Student: No) Does a man become widower there? (Student: No; that is what I was asking.) When one of them dies first, will there be sorrow or not? (Student: No, I am talking about birth.) Yes, if one of them dies first, the one who dies first will be born first. If he dies ten or five days later, will the companion feel sorrowful or not? Will she / he become a widow or a widower or not? Do they become widow or widower in the Golden Age? No. (Student: They will be born together.) They will be born together and they will die together. There is no name and trace of sorrow there at all.
Student: Will there not be a difference of even one or two minutes? Will it not be one or two minutes early or late? Will they be born together at the same time?
Baba: There will be a slight difference because will the daughter be born first or later? (Student: later.) The daughter will be born later. So, should there be a difference of a *second* or not? There should indeed be a difference of one *second*.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 37.16-38.24

जिज्ञासुः बाबा, सौ साल की आयु के बाद बूढ़ों की जो याद्दाश्त चली जाती है ना।

बाबाः सबकी चली जाती है क्या?

जिज्ञासुः नहीं। हमारे घर में एक सज्जन था। उनकी सौ साल पूरी उमर हुई तो याद्दाश्त चली गई। बाद में उन्होंने शरीर छोड़ दिया। बच्चा बुद्धि बन गये।

बाबाः माने इन्द्रियां जो हैं वो शिथिल होती जाती हैं। इन्द्रियों में मुख्य इन्द्रिय कौनसी है? मन। जब और इन्द्रियाँ साथ नहीं देती हैं तो अकेला मन भी क्या करेगा? वो भी साथ छोड़ देता है।

जिज्ञासुः सचमुच में भूलते है?

बाबाः हाँ, जी। किन्तु हर जगह ऐसा नहीं होता है। रूस में तो मोस्ट्ली लोगों की आयु 100 साल से ऊपर होती है। क्योंकि लास्ट की जेनरेशन है। सतोप्रधान आत्माएं परमधाम से उतर रही हैं। इसलिए उनकी उमर जास्ती होती है।

Time: 37.16-38.24
Student: Baba, the aged people lose memory after 100 years of age, don't they?
Baba: Do all (aged persons) lose [memory]?
Student: No. There was a man in our family. When he attained the age of hundred years, he lost memory. Later on he left his body. He had developed a child intellect.
Baba: It means that the organs continue to become weak. Which is the main organ among all the organs? Mind. When the other organs do not co-operate what will the mind alone do? It doesn't co-operate either.
Student: Do they forget in reality?
Baba: Yes. But it does not happen like this at every place. The age of the people in Russia is *mostly* above 100 years because it is the *last generation*. They are *satopradhan* souls descending from the Soul World. This is why their age is more.

समयः 38.30- 39.50

जिज्ञासुः बाबा, सतयुग में कहीं रिश्ता होगा ही नहीं फिर अभी राधा-कृष्ण को दो बच्चे होंगे। उनको फिर (दो) बच्चे होंगे, उनको फिर (दो) बच्चे होंगे। तो चाचा, मामा, काका, काकी ये सब होगा ही नहीं फिर तो?

बाबाः वहाँ भी बहुत संबंध हो जाएं तो दुःखदायी दुनिया हो जाएगी या सुखदायी हो जाएगी? बाबा हमको क्या सिखा रहे हैं यहाँ? एक शिवबाबा दूसरा न कोई। अगर कोई दूसरा है तो वो भी भाई-भाई। आत्मा-आत्मा भाई-भाई। सब संबंध खलास कराय देते हैं। (पूरे सतयुग में आठ डिनायस्टी में ऐसे ही चलता रहेगा?) आठ में? 21 भूल गये?

जिज्ञासुः त्रेता में तो थोड़ा...।

बाबाः क्या थोड़ा? त्रेता में क्या बना लिया? त्रेता में कोई नई बात बना ली क्या?

जिज्ञासुः त्रेता में पापुलेशन बढ़ जाएगी ना। तो कैसे बढ़ेगी?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः तो वो सतयुग में नहीं बढ़ती है क्या? 2 करोड़ के 2 करोड़ ही रहेंगे? 9 लाख के 9 लाख ही रहेंगे क्या? (जिज्ञासु - 10 करोड़) नहीं, दस करोड़ त्रेता के अंत में। लेकिन सतयुग में आबादी नहीं बढ़ती है क्या? (जिज्ञासु - 2 करोड़ होती है) हाँ, नौ लाख से बढ़करके दो करोड़ हो जाएगी।

Time: 38.30- 39.50
Student: Baba, when there will be no relationship at all in the Golden Age, Radha-Krishna will have two children. Then they (the children of Radha-Krishna) will have [two] children, and so on. But there won't be all these relationships of paternal uncle, maternal uncle, and paternal aunt.
Baba: If there are many relationships there as well, will the world become sorrowful or will it become joyful? What is Baba teaching us here? One Shivbaba and no one else. If there is anyone else, he is a brother; the souls are brothers amongst themselves. He ends up all the [other] relationships. (Student: will it continue like this for eight dynasties in the entire Golden Age?) [Just] within eight? Did you forget about 21 [births]?
Student: In the Silver Age, to some extent...
Baba: What to some extent? What did you make out in the Silver Age? Did you make out anything new in the Silver Age?
Student: The population will increase in the Silver Age, will it not? So, how will it increase?
Baba: Does it not increase in the Golden Age? Will it remain just two crores (20 million)? Will it remain only 9 lakh (9 hundred thousand)? (Student: 10 crore (100 million).) No, it will be 10 crore in the end of the Silver Age. But doesn't the population increase in the Golden Age? (Student: It is 2 crore.) Yes, it will increase from nine lakh to two crore.

समयः 39.53-40.32

दूसरा जिज्ञासुः 33 करोड़ देवताओं का गायन है कलियुग के अंत तक। कलियुग में भी कोई आत्मा देवात्मा का पार्ट बजाती होगी।

बाबाः क्यों नहीं? अभी भी उतर रही हैं। हर धर्म की आत्मा अंत तक उतरती रहती है।

जिज्ञासुः इस समय निर्विकारी कैसे कहेंगे?

बाबाः निर्विकारी नहीं कहेंगे। औरों के मुकाबले निर्विकारी कहेंगे। ताकि लोग टैली करें ये तो जैसे देवता हैं। मनुष्य नहीं हैं। राक्षस होने की तो बात ही नहीं। इसका भाव, स्वभाव, संस्कार तो जैसे देवता है।

Time: 39.53-40.32
Second student: There is the praise of 33 crore (330 million) deities till the end of the Iron Age. Even in the Iron Age, some soul must be playing the part of a deity soul.
Baba: Why not? They are descending even now. Souls of every religion keep descending till the end.
Student: How will they be called vice less at this time?
Baba: They will not be called vice less. They will be called vice less when compared to others so that people can *tally* them [with other souls and say:] these people are like deities. They are not human beings. There is no question of their being demons at all. His feelings, nature and *sanskars* are like deities.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 40.35-41.30

जिज्ञासुः मैजारिटी ऐसा दिखाई देता है कि जब 50 साल की आयु जिनकी उमर हो जाती है उसके बाद कर्मभोग जो भी माना दु:ख बढ़ जाता है उन आत्माओं का। इसका क्या कारण है?

बाबाः इन्द्रियाँ शिथिल होंगी, आत्मा शरीर के सुख भोगते-भोगते कमजोर बनेगी या पावरफुल बनेगी? वो कमजोर बनेगी। जब आत्मा बीज ही कमजोर बनता है तो तामसी स्टेज आ जाएगी ना। और तामसी स्टेज जहाँ आएगी वहाँ दुख ही होगा या सुख होगा? आत्मा में शक्ति होगी तो इन्द्रियों से सुख भोग सकेंगे। आत्मा में ही शक्ति नहीं हैं तो इन्द्रियाँ भी शिथिल और सुख नहीं भोग सकते। सुख भोगने के लिए शक्ति चाहिए।

Time: 40.35-41.30
Student: In majority of cases, it appears that after crossing the age of 50 years karmic sufferings i.e. sorrow of human souls increases. What is the reason for this?
Baba: Will the organs become weak, will the soul become weak or *powerful* while enjoying the pleasures of the body? It will become weak. When soul, the seed itself becomes weak, it will attain a degraded (*taamsi*) *stage*, will it not? And when someone attains *taamsi stage*, will there be sorrow or will there be happiness? If there is power in the soul, it will be able to enjoy happiness through the organs. If there is no strength in the soul itself, the organs also become weak and they cannot enjoy happiness. Strength is required to enjoy happiness.

Extracts-Part-5

समयः 42.10-43.00

जिज्ञासुः बाबा, ब्रह्मा का 50 साल कम बोला है ना, 2018 तक है ना।

बाबाः नाम नहीं लिया है ब्रह्मा का 50 साल कम। लेकिन बोला है कोई के 50 साल भी कम हो जावेंगे। कोई भी आत्माएं हो। एक आत्मा थोड़ेही होगी। माना संपन्न बनने के लिए भी हो सकता है कि ब्रह्मा की सोल 50 साल जब पूरे होते हैं सूक्ष्म शरीर के तो क्या बन जाती है? साकारी स्टेज में सम्पूर्ण बन जाती है।

Time: 42.10-43.00
Student: Baba, 50 years less of Brahma is mentioned, isn't it? It is counted up to 2018, isn't it?
Baba: Brahma's name has not been mentioned that '50 years of Brahma are less '. But it has been said that 'even 50 years may reduce [in the cycle] in case of some [souls]'. It could be any soul. It will not be any particular soul. It means that it could also be for becoming complete, that when fifty years of Brahma's *soul* through the subtle body are completed, what does it become? It becomes complete in the corporeal *stage*.

समयः 43.10-43.47

जिज्ञासुः सबसे ज्यादा दुख हम पाते हैं और सबसे ज्यादा सुख भी हम ही पाते हैं।

बाबाः ठीक है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः तो जो दुनिया में, दुनियाभर के इंसान बहुत दुखी हैं, आत्माएं.... उनके मुकाबले हम बहुत सुखी हैं?
बाबाः अभी दुनिया का अंत हो गया क्या?
जिज्ञासुः दिखाई पड़ता है ऐसा।
बाबाः अभी दिखाई पड़ते हैं। अभी जो दुनिया है वो रौरव नर्क है या इससे जास्ती और नरक बननी है? अभी तो और नरक सामने आवेगा। बंदरों की दुनिया दिखाई पड़ेगी। अभी तो फिर भी मनुष्यता दिखाई पड़ती है।

Time: 43.10-43.47
Student: It is we who experience maximum sorrow and it is we who experience maximum happiness as well.
Baba: It is correct.
Student: So, are we very happy when compared to the souls in the whole world which are very sorrowful.
Baba: Has the world ended now?
Student: It appears so.
Baba: It appears so now. Is the world a horrible hell now or is it going to become a hell even worse than this? Worse hell will come in front of us now. World of monkeys will be visible. Now still some humanity is seen.

समयः 43.55-46.50
जिज्ञासुः और जो वो साउथ में चित्तूर जिले में अम्मा भगवान करके है ना। साउथ में अवतरित पुरुष कहलाते हैं वो कलकी भगवान।
बाबाः कहलाने से हो जाता है?
जिज्ञासुः कहलाते भी नहीं। और वो ऐसे अनेक आदमियों के दुख भी दूर कर दिये।
बाबाः तो ऐसे साधु, संत, महात्मा क्या दुनिया में हुए नहीं हैं? जो बोल देते हैं, दुख दूर हो जाते हैं, उनसे जाकरके सामने कहो कि हमें स्वर्ग दे दो, तो दे देंगे? नहीं देंगे? तो भगवान काहे के?
जिज्ञासुः अवतरित पुरुष अनेक आत्माओं के दुःख दूर करते हैं।
बाबाः अरे, अवतार एक होता है या अनेक होते हैं? नरक को स्वर्ग बनाने वाला अवतार एक होगा या ढ़ेर होंगे? क्षुद्र बुद्धि आत्माएं जो होती हैं वो छोटे-छोटे तिनकों को आधार बनाय लेती हैं।
जिज्ञासुः बाबा, ऐसे कहना चाहिए फिर जो भगवान कहते हैं वो हिरण्यकश्यप हो गया? तो फिर अम्मा भगवान कलकी उन्होंने कहा है कि मैं अवतरित पुरुष वो हिरण्यकश्यप हो गए?
बाबाः हिरण्यकश्यप नहीं और तुमने क्या भगवान समझा? तुमने भगवान समझ लिया क्या उनको?
जिज्ञासुः अनेक आत्माओं के दुख दूर करती है ना वो (आत्मा)।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः दुःख दूर करते हैं तो सारी दुनिया स्वर्ग बन गई? कोई एक घर में स्वर्ग बन गया? जिनके दुःख दूर कर दिये उनके घर में स्वर्ग बन गया? (जिज्ञासु ने कुछ कहा) तो फिर भगवान काहे के?

जिज्ञासुः अल्पकाल के लिए दुःख दूर करते हैं ना बाबा।

बाबाः इसलिए वो मनुष्यात्माएं हैं। वो हिरण्यकश्यप हैं जो अपने को भगवान कहते हैं। थोथा चना है। खाली घड़ा है। और दूसरों से लेते हैं, तब देते हैं। भगवान तो किसी से लेने की इच्छा नहीं करता।

जिज्ञासुः और बाबा उनके द्वारा भक्ति का पार्ट भी पूरा होता है। बहुत भक्ति करते हैं उनके वहाँ। बाबा ने यहाँ बताया हैं कि जिनका भक्ति का पार्ट पूरा होता है वो ज्ञान में आ जाएगा। उनके द्वारा अनेक आत्माओं की भक्ति भी पूरी होती है।

बाबाः तो भक्ति तमोप्रधान पूरी हो रही है या सतो प्रधान भक्ति पूरी हो रही है? वो कौनसी भक्ति को पूरा करने के निमित्त बनते हैं? (जिज्ञासु - तमोप्रधान) तमोप्रधान भक्ति को पूरा कराने के निमित्त बनते हैं। तो तमोप्रधान भक्त बनेंगे तो तमोप्रधान ज्ञानी बनेंगे। एक से सुनेंगे या अनेकों से सुनेंगे? अनेकों से सुनने वाले बन जाएंगे। तमोप्रधान ज्ञानी बनेंगे, तो तमोप्रधान दुनिया में जाएंगे। सतयुग के पहले जन्म में थोड़ेही जाएंगे। तो घाटा हुआ या फायदा हुआ? उन गुरुओं की भक्ति करने से फायदा हुआ या घाटा हुआ? ये तो बहुत बड़ा घाटा हो गया।

Time: 43.55-46.50
Student: There is one Amma Bhagwan in Chitoor district in south [India]. Kalki Bhagwan is said to be an incarnation in south.
Baba: Does he become so just by being called [an incarnation]?
Student: He is not just called. He also relieves people of their sorrow.
Baba: So, have there not been such sages, saints and great souls in the world. Those who say that he relieves someone from sorrows…, go in front of him (the incarnation) and say: 'give us heaven'; will he give it? Will he not give it? So, how is he God?
Student: Incarnated man relieves many souls of their sorrow.
Baba: *Arey*, is there one incarnation or are there many? Will there be one or many incarnations to transform hell to heaven? Souls with a low intellect make small twigs their support.
Student: Baba, then it should be said that, whoever calls himself to be God is Hiranyakashyap [1] ? So, Amma Bhagwan Kalki, who calls himself an incarnation is Hiranyakashyap, isn't he?
Baba: If not Hiranyakashyap, then did you consider him to be God? Did you consider him to be God?
Student: He relieves many souls of sorrow, doesn't he?
Baba: If he relieves them of sorrow, did the entire world become heaven? Was heaven established in any single home? Did the homes of those who were relieved of sorrow by him become heaven? (Student said something.) So, then, how is he God?
Student: Baba, he relieves [people] from sorrow for a short period, doesn't he?

[1] A demon king who called himself God

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: This is why they are human souls. Those who call themselves God are Hiranyakashyap. They are hollow grams. They are empty vessels. They give only when they obtain from others. God does not desire to seek from anyone.
Student: And Baba, the part of *bhakti* is also completed by them. [People] do a lot of *bhakti* there. Baba has said here (in the path of knowledge), those who's part of *bhakti* is completed will enter the path of knowledge. Those people (like Kalki Bhagwan) also help in completion of *bhakti* of many souls.
Baba: So, is *tamopradhan bhakti* completing or is *satopradhan bhakti* completing? They become instruments to complete which type of *bhakti*? (Student: *tamopradhan.*) They become instruments in completing *tamopradhan bhakti*. So, if they become *tamopradhan* devotees, they will become *tamopradhan gyani* (knowledgeable persons). Will they listen from one or from many? They will become the ones who listen from many. If they become *tamopradhan gyani*, they will go in *tamopradhan* world. They will not go in the first birth of the Golden Age. So, did they suffer a loss or were they benefitted? Did they gain benefit or did they suffer loss by doing *bhakti* of those gurus? This is a very big loss.

Extracts-Part-6

समयः 46.55-49.28

जिज्ञासुः तीर्थों में जाते हैं फिर वहाँ से लौट के आते हैं।

बाबाः तीर्थों में जाते हैं फिर वहाँ से लौट के आते हैं। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) तीर्थों में जाते हैं तो पतित नहीं बनते? (जिज्ञासु - पहले नहीं बनते थे, अभी बन रहे है।) पहले भी बनते थे। जो धक्का खाएगा, उसकी शक्ति क्षीण होगी या नहीं होगी? वेस्टेज आफ टाइम, मनी, एनर्जी होगा या नहीं होगा? उतना ही टाइम, मनी और एनर्जी अगर ईश्वरीय ज्ञान में लगा दें तो प्राप्ति कितनी हो जावेगी! और मल्टीप्लिकेशन होता रहेगा सो अलग। भगवान जितना उजूरा देता है उतना तो और कोई उजूरा दे भी नहीं सकता। लोग मनुष्यों की सेवा करते हैं और कुछ लोग भगवान की सेवा करते हैं। ज्यादा वेतन किनको मिलता है? प्रत्यक्ष मिलता है या इन्डायरेक्ट मिलता है? बताने दो। (जिज्ञासु - प्रैक्टिकल में।) प्रैक्टिकल में मिलता है? (जिज्ञासु - इनडायरेक्ट मिलता है।) मिलता है? अभी जिन्होंने तन, मन, धन अर्पण कर दिया सन 76 से पहले उनको मिला? उनको उतना वापस मिल गया क्या? फिर?

Time: 46.55-49.28
Student: People go to pilgrimage places and come back.
Baba: People go to pilgrimage places and come back. (Student said something.) When they go to pilgrimage places, don't they become sinful? (Student: Earlier they did not use to become sinful, now they are becoming sinful.) They used to become [sinful] earlier as well. Will the one who suffer blows lose energy or not? Will there be *wastage of time*, *money* and *energy* or not? If they invest the same *time*, *money* and *energy* in the Godly knowledge (knowledge of God), then they achieve so much [attainment]! And in addition there will be *multiplication* [in attainment]. Nobody can give as many returns as God gives. People serve human beings and some people serve God. Who gets more salary? Do you get it directly or indirectly? Let him speak. (Student: In *practical*.) Do you get it in *practical*? (Student: We get it indirectly.) Do you get it? Did those who dedicate their body, mind and wealth before the year 76 get returns? Did they get returns to that extent? Then?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

तो भगवान प्रत्यक्ष देता है या अप्रत्यक्ष देता है? (जिज्ञासु - अंदर से।) माना इनडायरेक्ट है? प्रैक्टिकल नहीं देता है? (जिज्ञासु - लास्ट में देता है।) हाँ। लास्ट में जब विनाश होगा तो ऐसा टाइम भी आवेगा कि जिन्होंने जितना दिया है वो भी उनका वापस कर देंगे और फिर 21 जन्म के लिए इन्ट्रेस्ट भी दे देंगे। भगवान किसी का लेता नहीं है। लेकर नहीं जाता है। और भगवान जिस तन में आता है वो भी किसी से लेने वाले नहीं हैं। वो पुरुषार्थी आत्माएं हैं या दूसरों से लेने वाले हैं? (सबने कहा - पुरूषार्थी है।)

So, does God give directly or indirectly? (Student: from within.) It means, is it *indirect*? Doesn't He give in *practical*? (Student: He gives in the last.) Yes. In the *last*, when destruction takes place, one such *time* would also come that to whatever extent someone has given, He will return it to them and He will also give *interest* for 21 births in addition. God does not take from anyone. He does not take it and go. And the ones in whose body God enters don't take from anyone either. Are they *purushrathi* souls (souls who make spiritual efforts) or do they take from others? (Everyone said: *purusharthi*.)

समयः 49.50-51.30

जिज्ञासुः बाबा, ज्ञान में चलने वाले लोग, संगमयुग में...

बाबा: संगमयुग में ज्ञान में चलने वालें?

जिज्ञासु: हम कर्जा लौकिक दुनिया को दे सकते है ?

बाबाः मुरली में तो बोला है कर्ज मर्ज कहा जाता है। तो न कर्जा लेना है और न दूसरों को देना है।

जिज्ञासुः तो बाबा अभी दूसरी जगह पे नौकरी कर रहे हैं। अभी जहाँ नौकरी कर रहे हैं वहाँ पर सेलरी ज्यादा होता है तो टैक्स कटता है। इन्वेस्टमेंट दिखाना पड़ता है। तो टैक्स कटने देवें, इन्वेस्टमेंट नहीं दिखावें?

बाबाः वो तो एक तरफ फायदा देख लिया कि हमको टैक्स नहीं भरना पड़ेगा। और दूसरी तरफ उसने मार लिया तब क्या करेंगे? घाटा होगा या फायदा होगा? (जिज्ञासु - समझा नहीं था।) नहीं, ये बात नहीं समझी। ☺ समझाओ; कोई नज़दीक बैठा हो तो समझा दो।

Time: 49.50-51.30

Student: Baba, those who follow the path of knowledge in the Confluence Age…

Baba: Those who follow the path of knowledge in the Confluence Age?

Student: Can we give loan to the people in the *lokik* world?

Baba: It has been said in the murli that loan (*karj*) is a disease (*marj*). So, we should neither take loan nor give loan to others.

Student: So, Baba, now I am doing job at other place. The place where I am doing the job now, tax is deducted if the salary is more. We have to show investment. So, should I let the tax be deducted, shouldn't the investment shown?

Baba: You saw benefit from one angle [thinking] that you will not have to pay *tax*. And on the other side, what will you do if he squanders money? Will you suffer loss or will you get benefit? (Student: I didn't understand that.) No, he did not understand this☺. Explain to him; anyone sitting close to him, explain to him.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः कर्जे देने की बात... वो तो अलग बात है।

बाबाः कर्जा देने की ही तो बात कर रहे हैं आप। किसी को कर्जा दिया और वो लेकरके बैठ गया। (जिज्ञासु - ... इन्श्योरेंस पोलेसी...) हाँ, इन्श्योरेंस पालिसी, जब बोल दिया मुरली में - आगे चलके न ये इन्श्योरेंस कम्पनियाँ रहेंगी, भुज में विनाश हुआ, गुजरात में, 2001 में, भूकम्प आया, इन्श्योरेंस कम्पनियाँ उड़ गई या रह गईं? (जिज्ञासु - उड़ गईं।) फिर? और सारी दुनिया में अभी भूकम्प आयेंगे। तो इन्श्योरेंस कम्पनियाँ तुमको देंगी क्या?

Student: The topic of giving loans…it is a different topic.

Baba: You are talking about giving loans only. If you gave loan to someone and he sits down [with the money]. (Student: …insurance policy…) Yes, *insurance policy*; when it has been said in the murli, the *insurance* companies will not remain in the future; when destruction took place in Bhuj in Gujarat in 2001, earthquake occurred; did the *insurance* companies vanish or did they remain? (Student: They vanished.) Then? And now earthquakes will occur in the entire world. Then, will the *insurance* companies give you [the money back]?

समयः 51.40-53.30

जिज्ञासुः बाबा, त्रिमूर्ति के चित्र में ब्रह्मा को और शंकरजी को बिठाया ऐसा दिखाया है और विष्णु को खड़ा किया ऐसा दिखाया है। क्यों ऐसा दिखाया है?

बाबाः आप नए-नए आये हैं क्या भट्ठी करके क्या?

जिज्ञासुः नहीं, नहीं बाबा।

बाबाः आप भट्ठी करके कितने दिन से आये है?

जिज्ञासुः भट्ठी... बहुत दिन से आये हैं।

बाबाः कम्पिल फर्रूखाबाद की भट्ठी कब की थी?

जिज्ञासुः दस साल हो गए बाबा।

बाबाः दस साल हो गए? इसका मतलब रोज़ की जो वाणी है वो सुनते नहीं।

जिज्ञासुः नहीं। रोज़ की वाणी नहीं सुनते ।

Time: 51.40-53.30

Student: Baba, in the picture of Trimurty, Brahma and Shankar*ji* have been shown to be sitting and Vishnu has been shown to be standing. Why has it been shown like this?

Baba: Have you returned newly from *bhatti*?

Student: No, no Baba.

Baba: How many days have passed after returning from *bhatti*?

Student: Many days have passed since I did *bhatti*.

Baba: When did you do *bhatti* at Kampil, Farrukhabad?

Student: Baba, it has been ten years.

Baba: Ten years have passed? It means that you do not listen to the daily vani.

Student: No. I do not listen to daily vani.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः रोज़ की वाणी नहीं सुनते। बाबा का गला मुफ्त का मिल गया है। ☺ (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) ये भरी सभा में टाइम वेस्ट न करके कोई बड़ी बहन से पूछ लिया करो। वो बता देगी। फिर भी बता देते हैं। ☺ क्योंकि आपको बाबा के मुख से सुनने में शायद अच्छा ज्यादा लगता होगा। विष्णु को खड़ा इसलिए करते हैं कि विष्णु प्योरिटी के पुरुषार्थ में सदैव खड़ा रहता है। ब्रह्मा कभी-कभी बैठ जाते हैं थक के। और शंकरजी भी? उनको भी थकान होती है। ब्लड प्रेशर ज्यादा चढ़ता होगा।☺ इसलिए विष्णु को सदैव पुरुषार्थ में खड़ा हुआ दिखाया है। पुरुषार्थ है ही मुख्य किस बात का? (जिज्ञासु - प्योरिटी का।) पवित्रता का पुरुषार्थ है। एडवांस नॉलेज जब मिल जाएगा तो विष्णु उड़ेगा या हाई जम्प मारेगा? (जिज्ञासु - हाई जम्प।) हाई जम्प मार जाएगा। अंदरवाले रह जावेंगे, बाहरवाले ले जावेंगे।

Baba: You do not listen to the daily vani. You have found Baba's throat for free.☺ (Student said something.) Instead of wasting *time* in a crowded gathering, ask it to any senior sister. She will tell you. Still I will tell you because, perhaps, you prefer to listen through Baba's mouth. Vishnu is shown standing because Vishnu remains standing always in the spiritual effort for *purity*. Brahma feels tired sometimes and sits down. And Shankar*ji* too? He too feels tired. Perhaps his *blood pressure* rises.☺ This is why, Vishnu is always shown standing in spiritual effort. The main spiritual effort is for what? (Student: Purity.) The spiritual effort is for purity. When Vishnu receives the advance knowledge, will Vishnu fly or take *high jump*? (Student: High jump.) He will take a *high jump*. The insiders will remain [as they are] and the outsiders will take [the inheritance].

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info